कारक

Dr. ANUROJ. T J
Assistant Professor
Department of Hindi
Little Flower College, Guruvayur.

कारक

- संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से वाक्य के अन्य वाक्यों के साथ उसका संबंध प्रकट हो उसे कारक कहते हैं |
- उदा: अध्यापक ने विध्यार्थियों को पढ़ाया|

- कारकों को प्रकट करने के लिए संज्ञा या सर्वनाम के साथ ‘ने’ ,’को’ आदि जो शब्दांश लगते हैं , उन्हें विभक्ति चिह्न कहते हैं |

हिन्दी में आठ कारक हैं

कारक	विभक्ति चिह्न
कर्ता कारक	**ने**
कर्म कारक	**को**
करण कारक	**से**
संप्रदान कारक	**को ,के लिए , के वास्ते**
अपादान कारक	**से**
संबंध कारक	**का, के ,की**
अधिकरण कारक	**में , पर**
संबोधन कारक	**हे, अरे**

कारकों के भेद -

- कर्ता कारक : संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से कार्य करने वाले का बोध होता है ,उसे कर्ता कारक कहते हैं|
- उदा : राधा ने रावण को मारा |

- कर्म कारक : क्रिया के व्यापार का फल जिस वस्तु अथवा व्यक्ति पर पड़ता है ,उसका बोध करने वाले कारक को कर्म कारक कहते हैं |
- उदा : मां ने बच्चे को बुलाया |

- करण कारक : संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से क्रिया के साधन का बोध होता है, उसे कारण कारक कहते हैं|
- उदा: लड़का कलम से लिखता है |

- संप्रदान कारक : जिसको कुछ दिया जाए अथवा जिस के लिए कुछ किया जाए उसका बोध कराने वाले कारक को संप्रदान कारक कहते हैं |
- उदा : रामू को एक रुपया दो |

- अपादान कारक : संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से पृथकत्व या अलगाव प्रकट हो , उसे अपादान कारक कहते हैं |
- उदा: हाथ से किताब गिर गयी |

- संबंध कारक : संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से दूसरी वस्तु के साथ उसका संबंध मालूम होता है , उसे संबंध कारक कहते हैं|
- उदा : यह राम का घर है |
  यह राम के बच्चे हैं |

- अधिकरण कारक : संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से क्रिया अथवा संज्ञा के आधार का बोध हो ,उसे अधिकरण कारक कहते हैं |
- उदा: इस घर में कौन रहता है?

- सम्बोधन कारक : संज्ञा के जिस रूप से किसी को पुकारने अथवा चेताने का बोध होता हो उसे सम्बोधन कारक कहते हैं |
- उदा : हे राम , अरे दुष्ट |

धन्यवाद